भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4108

(दिनांक 12.08.2026 को उत्तर देने के लिए)

राष्ट्रीय एआई कौशल पहल का पहला चरण

4108. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कौशल पहल के चरण-I के अंतर्गत कुल कितने आवेदन प्राप्त हुए हैं और कितने प्रतिभागियों ने नामांकन किया है;

(ख) इस कार्यक्रम के पहले चरण को पूरा करने वाले प्रतिभागियों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) इस कार्यक्रम के चरण-2 के लिए कुल कितने प्रतिभागियों ने नामांकन किया है;

(घ) पाठ्यक्रम की अवधि और शामिल किए गए मॉड्यूलों सहित कार्यक्रम के चरण-I और चरण-II के पाठ्यक्रम का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पाठ्यचर्या तैयार करने के लिए कौन-कौन सी एजेंसी/संगठन उत्तरदायी है, पाठ्यचर्या तैयार करने में सरकार की भूमिका क्या है और किस आधार पर इस कार्यक्रम को विकसित किया गया था, इसके आधार पर आवश्यकताओं के आकलन अथवा कौशल अंतराल अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ङ): आज की तारीख, राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) कौशल पहल के चरण-I के तहत प्राप्त आवेदनों और नामांकित प्रतिभागियों की कुल संख्या 60,253 है।

कार्यक्रम के चरण-I के 2 मॉड्यूल पूरे करने वाले प्रतिभागियों की कुल संख्या 4,620 है और चरण-I के सभी 4 मॉड्यूल पूरे करने वालों की संख्या 552 है।

कार्यक्रम के चरण-I में चार मॉड्यूल हैं जिनकी कुल अवधि 33 घंटे है और इन्हें दो लर्निंग प्लेटफॉर्मों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। चरण-I के मॉड्यूल का विवरण नीचे दिया गया है:-

प्लेटफॉर्म 1:

- मॉड्यूल 1: एआई एसेंशियल्स - डेली प्रोडक्टिविटी बढ़ाने, डेटा को संयोजित करने और सामग्री सृजन के लिए व्यावहारिक कौशल प्राप्त करना।
- मॉड्यूल 2: प्रॉम्प्टिंग एसेंशियल्स - प्रोफेशनल प्रॉम्प्ट लिखने हेतु फ्रेमवर्क।

प्लेटफॉर्म 2:

- मॉड्यूल 3: जेनरेटिव एआई का परिचय - लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) के मूल सिद्धांतों और ज़िम्मेदार एआई दिशानिर्देशों को समझना।
- मॉड्यूल 4: जेनरेटिव एआई लीडर - वर्कफ्लों आटोमेशन और स्ट्रेटेजिक जेनरेटिव एआई संगठनात्मक रुपांतरण में कुशलता प्राप्त करना।

चरण-II का विवरण, जिसमें पाठ्यक्रम, मॉड्यूल और कोर्स की अवधि शामिल है, को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पाठ्यक्रम को आईआईसीटी और निजी क्षेत्र के भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। ताकि बुनियादी और व्यावहारिक एआई (एआई) कौशल प्रदान किए जा सकें। संयुक्त प्रमाणन के लिए, उन्नत कौशल घटक आईआईसीटी द्वारा संचालित किया जाता है।

सरकार की भूमिका आईआईसीटी के माध्यम से कार्यक्रम के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने और रणनीतिक दिशा प्रदान करने की रही है, जिसका उद्देश्य एआई साक्षरता को बढ़ाना और छात्रों को उद्योग-प्रासंगिक डिजिटल कौशल प्रदान करना है।

*****